अनुबंध 1

बैंक का नाम: ____

प्रस्तावित निदेशक/ एमडी और सीईओ/सीईओ द्वारा की गयी घोषणा एवं वचनपत्र (यथोचित संलग्नक सहित)

I.	**वैयक्तिक विवरण**				
	क)	नाम	पहला नाम	मध्य का नाम	अंतिम नाम
	ख)	वर्तमान पता			
	ग)	राष्ट्रीयता			
	घ)	जन्मतिथि (डीडी/एमएम/वाईवाईवाईवाई) और वर्तमान तिथि को उम्र	- - / - - / - - - - उम्र: - - वर्ष - -माह - - - दिन		
	ङ)	शैक्षिक योग्यता			
	च)	निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन)			
	छ)	आधार संख्या			
	ज)	(i) स्थायी खाता संख्या (पीएएन): (ii) वह क्षेत्र जहां प्रस्तावित निदेशक का कर मूल्यांकन किया जाता है आयकर क्षेत्र) / आयकर वार्ड/ सर्किल का नाम और पता: (iii) पिच्छले तीन वर्ष के लिए रिटर्न फाइल करने और कर भुगतान के ब्योरे	**फाइलिंग की तिथि**	**कर की राशि आईएनआर में)**	
	झ)	स्थायी पता			
	ञ)	ईमेल पता/ वैकल्पिक ईमेल पता: एसटीडी कोड के साथ टेलीफोन नंबर: मोबाइल नंबर:			
	ट)	संबंधित ज्ञान एवं अनुभव [निम्नलिखित देखें: • बैंककारी विनियमन अधिनियम की धारा 10क2) • बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 (3 ए) • एसबीआई अधिनियम की धारा 19 एए) जैसा भी मामला हो, बैंकिंग कंपनियों के लिए उपयोगी विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव पर दिनांक 24 नवंबर 2016 के आरबीआई परिपत्र			

<table>
<tr><td></td><td></td><td>बैंविवि.नियुक्ति.बीसी सं 39/29.39.001/2016-17 के साथ पठित]</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>ठ)</td><td>वर्तमान व्यवसाय पदनाम, संगठन का नाम और अनुभव पर संक्षिप्त आलेख)</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>ड)</td><td>न्यूनतम पिछले दस वर्षों के व्यवसाय का विवरण, संगठन का पूरा पता, कार्यग्रहण की तिथि, कार्यमुक्ति की तिथि कारणों सहित), पदनाम, आदि सहित।</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>ढ)</td><td>चार्टर्ड एकाउंटेंट के मामले में, निम्नलिखित सूचना दें:
i. आईसीएआई की सदस्यता संख्या
ii. भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ICAI) के साथ पंजीकरण की तिथि
iii. पंजीकृत फर्म का नाम और पता
iv. फर्म / फ़र्मों द्वारा वर्तमान ऑडिट का विवरण</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>ण)</td><td>जहां वह प्राथमिक खाता धारक है, वहाँ की शाखा और खाता संख्या बचत / चालू / ऋण खाते) के साथ बैंकर का नाम।
यदि कोई हो तो डीमैट खाते का विवरण संलग्न करें)</td><td><table><tr><th>बैंक का नाम</th><th>शाखा</th><th>खाते का प्रकार</th><th>खाता संख्या</th></tr><tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr></table></td></tr>
<tr><td></td><td>त)</td><td>सभी ऋण सूचना कंपनियों सीआईसी) से व्यापक ऋण सूचना रिपोर्ट सभी मॉड्यूल सहित)</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>थ)</td><td>बैंक के निदेशक पद से संबद्ध कोई अन्य सूचना</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">II प्रस्तावित निदेशक के संबद्ध रिश्तेदारियां</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>क)</td><td>ऐसे रिश्तेदारों की सूची, जो किसी बैंक से संबद्ध हो [कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 की उप-भाग 77) और कंपनी नियमावली, 2014 का नियम 4 परिभाषा की विशिष्टता) नियम, 2014 देखें]</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>ख)</td><td>(i) ऐसी संस्थाओं की सूची, यदि कोई हो, जिसमें उसका हित निहित समझा जाता हो (कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 184 देखें)। बैंकों/ एनबीएफसी/ कंपनियां/ निगमित निकाय/ फर्म/</td><td></td></tr>
</table>

<table>
<tr><td></td><td></td><td>व्यक्तियों का संघ आदि के नाम के संबंध में अलग से उल्लेख किया जाए
(ii) ऐसी संस्थाएं जिसमें वह हिताधिकारी स्वामित्व धारित करते हों [कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 89 और 90 देखें और साथ ही एमसीए के लागू महत्वपूर्ण हिताधिकारी स्वामित्व नियम देखें]
(iii)ट्रस्टों की सूची जिसमें ट्रस्टी के रूप में स्थिति धारित है</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>ग)</td><td>ऐसी मौजूदा और प्रस्तावित संस्थाओं की सूची जिनमें यह समझा जाता हो कि बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 की धारा5एनई) * के निहितार्थों में उसका पर्याप्त हित निहित है ।

“पर्याप्त हित” (i) किसी कंपनी के संबंध में ,किसी व्यष्टि या उसके पति या पत्नी या उसकी अवयस्क संतान द्वारा, चाहे अलग अलग या मिलाकर उसके उन शेयरों में जिसमें समादत्त रकम पांच लाख रुपये से या कंपनी की समादत्त पूंजी के दस प्रतिशत से, इनमें से जो भी कम हो, उससे अधिक है, फायदाप्रद हित का धारण किया जाना अभिप्रेत है; (ii) किसी फर्म के संबंध में किसी व्यष्टि या उसके पति या पत्नी या उसकी अवयस्क संतान द्वारा चाहे अलग अलग या मिलाकर, उस फर्म के सब भागीदारों द्वारा लगााई गई कुल पूंजी के दस प्रतिशत से अधिक के बराबर धारण किया गया फायदाप्रद हित अभिप्रेत है ;</td><td><table>
<tr><td>कंपनी/फर्म का नाम</td><td></td></tr>
<tr><td>निगमन का देश</td><td></td></tr>
<tr><td>शेयरों की संख्या</td><td></td></tr>
<tr><td>प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य</td><td></td></tr>
<tr><td>शेयर धारिता का कुल अंकित मूल्य</td><td></td></tr>
<tr><td>कुल पीयूसी के % के रूप में शेयर धारिता</td><td></td></tr>
<tr><td>पर्याप्त हित मूल्य और साथ ही साथ % के अनुसार)</td><td></td></tr>
<tr><td>क्या संस्था कंपनी अधिनियम 2013 के अंतगर्त धारा 8 की संस्था है</td><td></td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td></td><td>घ)</td><td>विदेश में निगमित और भारत में कारोबार स्थान युक्त संस्थाओं में धारिताएं</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>ङ)</td><td>बैंक/ एनबीएफसी/ अन्य कोई कंपनी का नाम जिसके बोर्ड में वह सदस्य /परामर्शदाता हो या रहा हो उस अवधि के</td><td></td></tr>
</table>

		ब्योरे सहित जिसके दौरान ऐसा कार्यालय धारित किया है/ था)	
	च)	निधिक और गैर निधिक सुविधाएं, यदि बैंक से वर्तमान में उसके द्वारा ली गई हो और/ अथवा उपर्युक्त IIख) से घ) में सूचीबद्ध संस्थाओं द्वारा ली गई हो ।	
	छ)	ऐसे मामले जहां वह अथवा उपर्युक्त खंड IIख) से घ) में सूचीबद्ध संस्था बैंक/ किसी अन्य बैंक/ एनबीएफसी/ कोई अन्य उधारदाता संस्था से ली गई ऋण सुविधिाओं के संबंध में चूक में हो अथवा पिछले 10 वर्षों में चूक की हो ।	
	ज)	ऐसे मामले, यदि कोई हो, जहां वह चूककर्ता है अथवा किसी बैंक/ एनबीएफसी/ कोई अन्य उधारदाता संस्था द्वारा चूककर्ता के रूप में घोषित हो ।	
III व्यावसायिक उपलब्धियों के रिकार्ड			
	क)	निदेशक के पद से संबंधित व्यावसायिक उपलब्धियां	
IV प्रस्तावित निदेशक के विरुद्ध कार्यवाही, यदि कोई हो,			
	क)	यदि वह किसी व्यावसायिक संघ/निकाय का सदस्य है तो अतीत में उसके विरुद्ध किसी अनुशासनिक कार्रवाई का ब्योरा, यदि कोई, जो लंबित हो अथवा शुरू हो गयी हो अथवा उसके परिणामस्वरूप उसे दोषसिद्ध कर दिया गया हो अथवा उस पर किसी भी समय किसी व्यवसाय /वृत्ति में प्रवेश से मनाही लगायी गयी हो ।	
	ख)	अतीत में निदेशक तथा/अथवा उपर्युक्त II (ख) से ड़) के अंतर्गत सूचीबद्ध कि सी संस्था द्वारा आर्थिक कानूनों तथा विनियमों का उल्लंघन करने पर उनके	

		विरुद्ध अभियोजन का ब्योरा, यदि कोई, जो लंबित हो अथवा शुरू हो गया हो अथवा जिसके परिणामस्वरूप उसका दोष सिद्ध हो गया हो ।	
	ग)	अतीत में उसके विरुद्ध किसी आपराधिक अभियोजन का ब्योरा, यदि कोई हो, जो लंबित हो अथवा शुरू हो गया हो अथवा जिसके परिणामस्वरूप उसका दोषसिद्ध हो गया हो ।	
	घ)	क्या निदेशक पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 के अंतर्गत परिकल्पित अपात्रता लागू होती है ?	
	ड़.)	क्या उसके अथवा उपर्युक्त II(ख) एवं ड़) के अंतर्गत सूचीबद्ध किसी संस्था के विरुद्ध सरकारी विभाग अथवा एजेंसी द्वारा जांच की गयी है ?	
	च)	क्या उसको कभी सीमा शुल्क/उत्पाद शुल्क/ आयकर/ विदेशी मुद्रा/ अन्य राजस्व प्राधिकारी द्वारा नियमों/ विनियमों/विधायी अपेक्षाओं के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, यदि हाँ तो उसका विवरण प्रस्तुत करें	

<table>
<tr><td></td><td>छ)</td><td>क्या उसको कभी सेबी, इरडा, पीएफआरडीए जैसे किसी नियामक की तरफ से कोई प्रतिकूल नोटिस दी गयी है ।

यद्यपी अभ्यर्थी के लिए आवश्यक नहीं है कि वह विनियामकों द्वारा दिये गये आदेश या उनके निष्कर्षों का उल्लेख इस स्तंभ के अंतर्गत करें जिन्हें बाद में पूरी तरह वापस ले लिया गया हो या उन्हें उपेक्षित कर दिया गया हो तथापि उसका उल्लेख करना आवश्यक होगा यदि मामले क्षेत्राधिकार की सीमा अथवा उसके अभाव इत्यादि जैसे किसी तकनीकी कारण से मामले को वापस लिया गया हो अथवा उसकी उपेक्षा की गयी हो न कि गुण-दोष के आधार पर । यदि नियामक के आदेश पर अस्थायी रूप से स्थगन लगाया गया है और अपीलीय/न्यायालीय कार्यवाही लंबित है तो उसकी जानकारी दी जानी चाहिए)</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">मद I से IV के संबंध में कोई अन्य स्पष्टीकरण/सूचना और उचित एवं उपयुक्त मानदंड के औचित्य प्रतिपादन के लिए जरूरी समझी जाने वाली अन्य सूचना</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="4"></td></tr>
<tr><td colspan="4"><u>वचनबद्धता</u></td></tr>
<tr><td colspan="4">मैं इस बात की पुष्टि करता हूँ कि उपर्युक्त सूचना मेरी जानकारी तथा विश्वास से सत्य एवं संपूर्ण है । मैं वचन देता हूँ कि मैं अपनी नियुक्ति के उपरांत ऐसी सभी चीजों की पूरी जानकारी बैंक को दूंगा जो उपर्युक्त सूचना से संबंधित हैं । मैं वचन देता हूं कि मैं बैंक की लेखापरीक्षा के कार्य से खुद को दूर रखूंगा और बैंक के ऋण / निवेश निर्णयों में भाग नहीं लूंगा, जिसमें मेरे द्वारा हित रखे जाने वाली संस्थाएं शामिल हों ।</td></tr>
<tr><td colspan="4">मैं यह भी वचन देता हूँ कि मैं बैंक के सभी निदेशकों द्वारा हस्ताक्षर किये जाने वाले प्रसंविदा विलेख पर हस्ताक्षर करूँगा ।</td></tr>
</table>

स्थान :	प्रस्तावित निदेशक/एमडी और सीईओ/सीईओ
दिनांक :	
नामांकन और मानदेय समिति/ बैंक की नामांकन समिति की टिप्पणियां	
स्थान :	हस्ताक्षर
दिनांक :	